दिगंत

ई-पत्रिका :मई-जून २०२०

'नैक' प्रत्यायित

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर-273001

website : www.dnpgcollege.edu.in

दिगंत-ई-पत्रिका:मई-जून २०२०

मुख्य संरक्षक:-परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

प्रो.उदय प्रताप सिंह
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

संरक्षक मण्डल

श्री धर्मेन्द्र नाथ वर्मा
उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

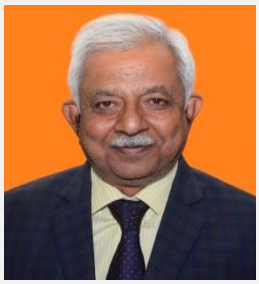

प्रधान सम्पादक:-डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह, प्राचार्य

सम्पादन समिति:–

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** असिस्टेन्ट प्रोफेसर,बी.एड. विभाग
2. **डॉ. शैलेश कुमार सिंह,** असिस्टेन्ट प्रोफेसर,राजनीति विज्ञान विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** असिस्टेन्ट प्रोफेसर,राजनीति विज्ञान विभाग
4. **डॉ. सुनील कुमार सिंह,** असिस्टेन्ट प्रोफेसर,समाजशास्त्र विभाग
5. **डॉ. समृद्धि सिंह,** असिस्टेन्ट प्रोफेसर,समाजशास्त्र विभाग

प्राचार्य की कलम से.....

मुझे अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है कि युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ जी महाराजजी की 125 वीं व राष्ट्र संत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी के 100 वीं जंयती वर्ष केअति विशिष्ट अवसर पर ई– पत्रिका दिगंत का प्रकाशन महाविद्यालय प्रारम्भ कर रहा है। हमारी संस्था विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास तथा शैक्षिक पुनर्जागरण के पथ पर निरंतर गतिशील है। मेरा मानना है कि शिक्षा वह प्रकाशपुंज है जिसके आलोक में व्यक्ति और समाज आलोकित होते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने में समर्थ हो पाते हैं। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु सन 1932 में श्री गोरक्षपीठ के तत्कालीन महंत युगपुरुष दिग्विजय नाथ जी महाराज द्वारा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की गई, जो राष्ट्र–संत महंत अवेद्यनाथ जी की छत्रछाया में पल्लवित पुष्पित होती रही तथा वर्तमान समय में हमारे परम पूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज के मार्गदर्शन में विकास के नित नए आयाम सृजित कर रही है। इसी मातृ संस्था के एक महत्वपूर्ण अनुसंग के रूप में सन् 1969 में दिग्विजयनाथ कॉलेज की स्थापना हुई। विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए यह संस्था निरन्तर अकादमिक, सामाजिक एवं बौद्धिक कार्यक्रम संपादित करती रहती है। **इस क्रम में दिग्विजयनाथ जयंती सप्ताह समारोह के अन्तर्गत कोरोना संकट से उत्पन्न आर्थिक मंदी, स्वरोजगार के विकल्प तलाशने का अवसर व हमारी पुरानी सभ्यता एवं संस्कृति को अपनाने के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए वेबिनार का आयोजन किया गया। राष्ट्र एवं समाज निर्माण की भावना के उद्देश्य से हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर जूम एप्प के माध्यम से परिचर्चा, पर्यावरण दिवस–प्रकृति के प्रति स्वयं को जागरूक रखना। इस कारोना काल में शैक्षिक कार्य निर्वाध गति से चलाने हेतु ऑनलाइन कक्षाओं के लिए महाविद्यालय में ई–कॉन्टेण्ट लर्निंग विषय पर सप्त दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।**

डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह
प्राचार्य

युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 126वीं जयन्ती के अवसर 'फेसबुक लाइव' (व्याख्यानमाला प्रथम दिवस)

07 मई 2020 को महाविद्यालय में युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 126वीं जयन्ती के अवसर पर 'फेसबुक लाइव' साप्ताहिक व्याख्यानमाला के प्रथम दिवस पर प्रो.हरिकेश सिंह पूर्व कुलपति, जयप्रकाश विश्वविद्यालय छपरा ने 'नाथ पंथ' एवं महंत दिग्विजयनाथ की शिक्षा के क्षेत्रों में योगदान विषय पर व्याख्यान दिया। फेसबुक लाइव के माध्यम से सम्बोधित करते हुए उन्होने कहा कि अध्यात्मिक परंपरा में जहॉ सनातन ऋषियों ने परलोक की सिद्धि के लिए हिमालय में साधना किया वही ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने सामाजिक समरसता, लोक कल्याण एवं लोक निर्माण के लिए विद्या एवं प्रज्ञा के माध्यम से साधना की।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने महाविद्यालय मे स्थित ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की प्रतिमा पर सभी संस्था प्रमुखों की ओर से पुष्पान्जलि कर नमन किया।

धर्म और विज्ञान एक दूसरे के प्रतिपूरक हैं

समाज के सुचारू रूप से संचालन के लिए धर्म अति आवश्यक है। जब हम धर्म को अपने जीवन में उतारते हैं तो अपनी परंपरा के प्रति विश्वास उत्पन्न होता है। पश्चिम की वैचारिकी का मानना है कि पूरी सृष्टि मनुष्य के उपभोग के लिए है परंतु यदि सभी लोग सृष्टि के उपभोग के लिए प्रयास करेंगे तो उनमें संघर्ष अवश्य ही उत्पन्न होगा। पश्चिमी विचारक कार्ल मार्क्स को लगा कि धर्म सामान्य जन के विपरीत है इसीलिए उन्होंने धर्म को अफीम के समान बताया जबकि वास्तविकता यह है कि उन्होंने धर्म के विषय में जो समझा वह वास्तव में पंथ है।

समाज में क्रिश्चियनिटी अपने तत्वज्ञान के आधार पर नहीं बल्कि अपनी अर्थव्यवस्था के आधार पर आगे बढ़ रहा है। पंथ में कट्टरता होती है जबकि धर्म हमें सहिष्णु बनाता है।''

उक्त विचार दिग्विजयनाथ जी महाराज के जयंती सप्ताह समारोह के दूसरे दिन (दिनांक 08 मई 2020) फेसबुक लाइव के माध्यम से 'धर्म और विज्ञान' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ विवेक निगम एसोसिएट प्रोफेसर यूइंग क्रिश्चियन कॉलेज प्रयागराज ने हिंदू समाज व हिंदू धर्म की रक्षा में अपना सर्वस्व लगाने वाले पूज्य संत दिग्विजय नाथ जी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रखा।

उन्होने कहा कि अपने कुछ विशिष्ट गुण के नाते हैं धर्म की भूमिका बार–बार बदलती है .जो धारणीय है उसको धारण करना ही हमारा धर्म है। पूजा पद्धति के कर्मकांडों में कई सारे ऐसे उदाहरण हैं जिन्हें वैज्ञानिक कसौटी पर कसना संभव नहीं है और ये सभी विज्ञानसम्मत भी नहीं है इनमें से कुछ भावना केंद्रित तो कुछ अर्थ केंद्रित भी हैं। साथ ही साथ प्रत्येक बात की वैज्ञानिक व्याख्या देने की कोशिश करना भी उचित नहीं है। यदि हमारा कोई कर्म दूसरे व्यक्ति को कष्ट पहुंचाता है तो वह निश्चित रूप से त्याज्य है। हमारी भारतीय संस्कृति में ऋषियों ने कहा है कि सत्य बोलो परंतु जो सत्य कष्ट पहुंचा रहा है ऐसा सत्य कदापि मत बोलो। यज्ञ करने से प्रकृति शुद्ध होती है इस पर बार–बार तर्क–वितर्क होते रहे हैं। परंतु आज के इस वैज्ञानिक युग में यज्ञ करने से प्रकृति की शुद्धता को प्रमाणित किया गया है पीपल की पूजा करने के प्रति हमारी आस्था रही है वृक्ष हमारे पर्यावरण की रक्षा करते हैं यह सारी दुनिया को आज समझ में आ रही है, धर्म सर्वकालिक है, परंपराएं काल बाधित होती है उन्हें बिना किसी मोह के छोड़ देनी चाहिए, न्यूटन आदि जैसे वैज्ञानिक भी गहरे धार्मिक आस्था वाले रहे हैं.धर्म और विज्ञान पर चिंतन करने से यह स्पष्ट होता है की धर्म और विज्ञान एक दूसरे के प्रति पूरक रहे हैं इस पर कोई संदेह नहीं है ।

कोराना महामारी के कारण विश्व अभूतपूर्व मंदी की ओर अग्रसर

09 मई 2020 को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान के प्रो. टी.पी. सिंह ने महाविद्यालय में दिग्विजयनाथ जी महाराज की जयंती के अवसर पर आयोजित व्याख्यानमाला के साप्ताहिक के तीसरे दिन 09 मई 2020 को फेसबुक लाइव के माध्यम से 'कोविड–19 एवं भू–राजनीतिक प्रतिस्पर्धा' विषय पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ''चीन प्रारम्भ से ही ऐसा मानता रहा है कि भू–राजनीतिक सुधारों का रास्ता आर्थिक सुधारों से ही साफ हो सकता है। चीन के आर्थिक सुधारों ने उसे वैश्विकरूप से इतना सबल बना दिया है कि

आज अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश ही नहीं अपितु दुनिया के अन्य देशों के सामने भी गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

कोरोना संकटकाल में स्थानीय स्तर पर रोजगार हेतु प्रयास की प्रबल आवश्यकता है

इस अवसर पर अपने व्याख्यान में उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के कारण महानगरों से कामगारों का अंधाधुंध पलायन हुआ है जिसमें कुशल, अकुशल तथा अर्ध–कुशल श्रमिकों के समक्ष रोजी रोटी का संकट उत्पन्न हुआ है। इन कामगारों के लिए स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के प्रयास किए जाने की प्रबल आवश्यकता है। वर्तमान समय में आईटी सेक्टर में काफी संभावनाएं हैं अब गांव में लोग स्मार्टफोन व इंटरनेट के माध्यम से डिजिटल लाइव की तरफ बढ़े हैं। वर्तमान आर्थिक मंदी के बावजूद कृषि आधारित उद्योगों को लेकर गहनता से प्रयास करना होगा।

10.05.2020 को दिग्विजयनाथ जी महाराज के जयंती सप्ताह कार्यक्रम के चौथे दिन फेसबुक लाइव के माध्यम से 'कोविड–19 महामारी तथा भारत के समक्ष भू–सामरिक एवं भू–आर्थिक चुनौतियां और विकल्प' विषय पर प्रो. आर.पी. यादव, कुलपति, मगध विश्वविद्यालय, गया, बिहार ने व्याख्यान दिया।

कोरोना संकट में भारतीय जीवन शैली सबसे प्रभावी

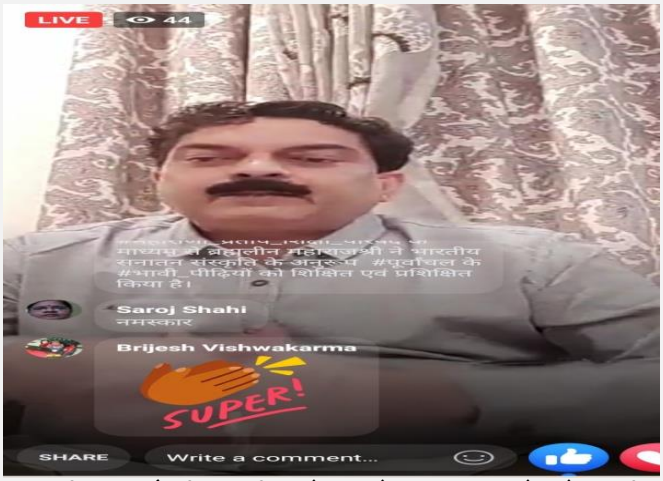

11.05.2020 को दिग्विजयनाथ जयंती सप्ताह समारोह के पाँचवें दिन फेसबुक लाइव के माध्यम से कोविड–19 एवं भारतीय समाज : चुनौतियाँ एवं अवसर विषय पर प्रो.मानवेन्द्र सिंह, विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर ने व्याख्यान दिया। उच्च आधुनिकता एवं भूमण्डलीकरण के करण जहां पश्चिमी सभ्यता एवं जीवन शैली की ओर लोग भाग रहे थे वही कोरोना संकट ने हमें अपनी पुरानी सभ्यता एवं संस्कृति की याद दिला दी है। आज पूरी दूनिया यह मान रही है कि भारतीय संस्कृति एवं जीवन–शैली ही इस महामारी काल में सबसे कारगर है तथा इससे निजात दिला सकती है।

कोरोना एक अदृश्य दुश्मन है

12.05.2020 को दिग्विजयनाथ जयंती सप्ताह समारोह के पाँचवें दिन फेसबुक लाइव के माध्यम से कोविड–19 : चुनौतियाँ एवं सावधानियाँ विषय पर प्रोफेसर गोविन्द पाण्डेय मदनमोहन मालवीय प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर ने व्याख्यान दिया।

उन्होंने अपने संबोधन में कोरोना वायरस की प्रकृति की चर्चा करते हुए बताया कि यह वायरस अत्यन्त संक्रामक होने के साथ ही वातावरण में लम्बे वक्त तक सक्रिय रह सकता है। यह 4 डिग्री तापमान पर 12 दिनों तक जबकि 37 डिग्री तापमान पर 1 दिन तक और यदि तापमान का स्तर 56 डिग्री हो तो 30 मिनट तक सक्रिय रहता है। यह वातावरण में एयरोसॉल की सहायता से तेजी से फैलता है।

कोरोना महामारी ने हमें विकल्प तलाशने का अवसर दिया है

13 मई 2020 को दिग्विजयनाथ जयंती सप्ताह समारोह के समापन के अवसर पर फेसबुक लाइव के माध्यम से कोविड–19 एवं उच्च शिक्षा विषय पर मुख्य वक्ता प्रो.के.एन.सिंह, कुलपति, राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज ने व्याख्यान दिया।अपने उद्बोधन के प्रारम्भ में प्रो. सिंह ने युगपुरूष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनकी महत्वपूर्ण कृतियों को स्मरण करते हुए कहा कि महाराज जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व समाज के लिए एक ध्रुव तारे की तरह है। जीवन में जब भी भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो तो हमें उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व की ओर देखना चाहिए जिससे हमें दिशा बोध हो सके। कार्यक्रम के अन्त में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने इस साप्ताहिक जयंती समारोह के सभी वक्ताओं के प्रति आभार ज्ञापन व्यक्त किया।

'फिर मुस्कराएगा इण्डिया' की एक शानदान प्रस्तुति

14 मई 2020 को महाविद्यालय के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रभारी श्री सुरेन्द्र चौहान, डॉ जागृति विश्वकर्मा एवं डॉ पवन कुमार पाण्डेय के सहयोग से विद्यार्थियों द्वारा प्रचलित गीत 'फिर मुस्कुराएगा इंडिया' पर एक शानदार प्रस्तुति की गई है। प्राचार्य के कुशल निर्देशन एवं शिक्षकों और कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय तथा विद्यार्थियों के बेहतरीन प्रयास को ध्यान में रखते हुए प्रबन्ध समिति के आदरणीय सदस्य श्री प्रमथ नाथ मिश्रा जी द्वारा कॉलेज के फेसबुक पेज पर शुभकामना संदेश प्राप्त हुआ है। प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने हेल्पडेस्क एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के इस प्रयास की सराहना करते हुए सभी सहयोगी शिक्षकों,कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को बधाई दी।

राष्ट्र और समाज निर्माण की भावना से हुआ हिंदी पत्रकारिता का उद्भव

30 मई 2020 को हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर गुरु गोरखनाथ साहित्य केंद्र दिग्विजय नाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के तत्वावधान में जूम ऐप के माध्यम से परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा में प्रतिभाग करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के आचार्य प्रोफेसर प्रत्यूष दुबे जी ने प्रतिभाग किया।

इस कार्यक्रम में मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर बी.के. पांडेय जी ने भी भाग लिया इसी क्रम में बुद्धा पी.जी. कॉलेज कुशीनगर के अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आमोद कुमार राय जी ने कहा कि पत्रकार हर व्यक्ति के अंदर है केवल उसे सक्रिय कर राष्ट्र और समाज निर्माण हेतु प्रेरित करने की आवश्यकता है तथा वरिष्ठ संवाददाता श्री रणवीर सिंह, ए.बी.पी न्यूज ने भी प्रतिभाग किया व अपने विचार रखे।

परिचर्चा का आयोजन और संचालन डॉ. नितेश शुक्ला सहायक आचार्य भौतिकी के द्वारा किया गया। उन्होंने परिचर्चा के निष्कर्षों को रेखांकित करते हुए कहा कि हिंदी पत्रकारिता का उद्भव भारत की स्वतंत्रता, राष्ट्र निर्माण की भावना और सामाजिक बुराइयों को दूर करने से हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. पवन कुमार पाण्डेय, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा आभार ज्ञापन किया गया।

'कोविड–19 : चुनौती एवं दृष्टिकोण' पर एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय बेविनार का आयोजन

महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा कोविड 19 चुनौती एवं दृष्टिकोण विषय पर एक दिवसीय अंतराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर श्याम एस पाण्डेय, क्यूशू इंस्टीटूट ऑफ टेक्नोलॉजी जापान ने कोविड–19 वायरस के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला । उन्होंने विश्व के अनेक देशों में इस विषय पर हो रहे शोध अविष्कार एवं दवाओं के बारे में विस्तार से बताया । उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर पाण्डेय कॉलेज पुरातन छात्र भी हैं, वर्ष 1982–83 में बी.एस.सी में इस महाविद्यालय के पूर्व छात्र रह चुके हैं। विशेषज्ञ के रूप में डॉ आलोक सिंह सीनियर रेजिडेंट जी बी पंत हॉस्पिटल नई दिल्ली थे।

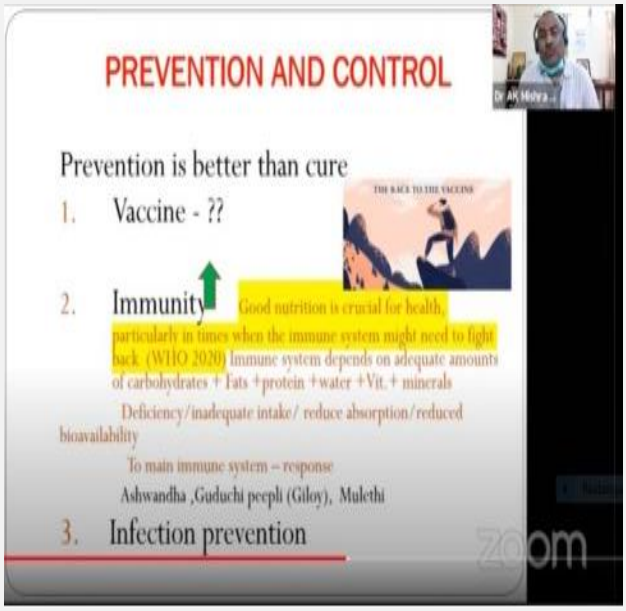

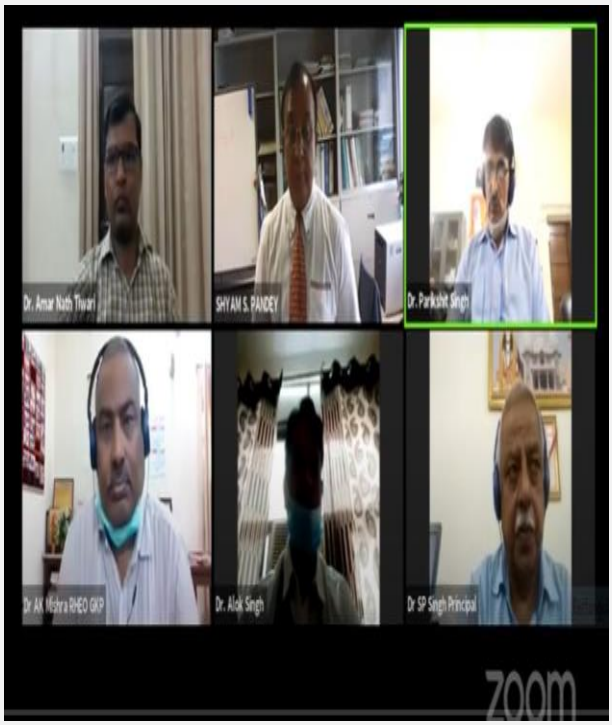

विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ अश्वनी कुमार मिश्रा ने इस वायरस की संरचना और इससे होने वाले संक्रमण, सुरक्षात्मक उपाय एवं भविष्य की चुनौतियों का जिक्र किया। वेबिनार का संचालन व संयोजन महाविद्यालय के डॉ परीक्षित सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने अंतराष्ट्रीय वेबिनार के इस आयोजन हेतु आयोजन समिति के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए अतिथि गण व सभी प्रतिभागियों के प्रतिआभार व्यक्त किया। इस वेबिनार में जापान,

अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, नेपाल आदि देशों के साथ ही भारत के विभिन्न प्रान्तों यथा उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, जम्मू कश्मीर केरल तमिलनाडु कर्नाटक, उड़ीसा सहित कई प्रदेशों के 1653 पंजीकृत प्रतिभागियों ने सहभाग किया।

नैक की तैयारी एवं निरीक्षण के सम्बन्ध में आई.क्यू.ए.सी. की एक बैठक

04 जून 2020 को प्राचार्य की अध्यक्षता में आई.क्यू.ए.सी. की एक आवश्यक बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में नैक की तैयारी एवं नैक निरीक्षण की तिथि को लेकर सभी क्राइटेरिया के प्रभारियों के साथ चर्चा हुई। आई.क्यू.ए.सी. कोऑर्डिनेटर डॉ राज शरण शाही एवं नैक कोऑर्डिनेटर डॉ शशि प्रभा सिंह ने सभी विभागों को अपने विषय से संबंधित ई–कंटेंट तैयार करने के लिए कहा, जिससे कि तैयार ई–कंटेंट कॉलेज वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके। इस बैठक में मौजूद सभी शिक्षकों ने ई–कंटेंट की तैयारी हेतु सप्त दिवसीय कार्यशाला के आयोजन की सलाह दी।

पर्यावरण दिवस का प्रमुख उद्देश्य – 'प्रकृति के लिए स्वयं को जागरूक रखना'

05 जून 2020 को पर्यावरण दिवस के अवसर पर रोवर/रेंजर्स के तत्वावधान में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मनुष्य के प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाले पौधों का रोपण करने का सकंल्प लिया गया। महाविद्यालय में नीम, तुलसी तथा गिलोय के पौधो का रोपण किया गया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि पर्यावरण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगो को जागरूक व प्रोत्साहित करना है।

कम्प्यूटर विज्ञान एवं आई.क्यू.ए.सी के संयुक्त तत्तवावधान में सप्त दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

08 जून 2020 को जूम एप्प के माध्यम से कम्प्यूटर विज्ञान विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वाधान में 'हाउ टू डेवलप इफैक्टिव ई–लर्निंग कटेंट' विषय पर सप्त–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रथम दिन के विषय 'क्रियेटिंग ई–कटेंट विथ डेवलपिंग टूल्स' विषय पर मुख्य वक्ता मदन मोहन मालवीय यूनिवर्सिटी आफ टेक्नालाजी, गोरखपुर के सीनियर प्रोग्रामर डॉ. विष्णु स्वरूप थे।

इस कार्यशाला की शुरुआत सारे जहां से अच्छा गीत के वीडियो प्रस्तुति के साथ हुई। इसके उपरांत महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो.यू.पी. सिंह जी ने उद्घाटन अवसर पर कार्यशाला के आयोजन हेतु बधाई देते हुए वर्तमान दौर में ऑनलाइन शिक्षा को महत्वपूर्ण बताया।

प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ विष्णु स्वरूप व अन्य प्रतिभागियों के स्वागत किया और कार्यशाला के आयोजन हेतु कंप्यूटर विज्ञान विभाग व आई.क्यू.ए.सी. को बधाई दी। कार्यशाला के कोऑर्डिनेटर डॉ पवन कुमार पाण्डेय ने कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में डिजीटल शिक्षण प्रणाली पर फोकस रहेगा। कार्यशाला के तकनीकी कोऑर्डिनेटर डॉ अमर नाथ तिवारी ने कार्यशाला के मुख्य वक्ता सहित जूम एप, फेसबुक तथा यूट्यूब लाइव के साथ जुड़े सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देते हुए आभार ज्ञापित किया। तकनीकी सहयोग श्री बृजेश विश्वकर्मा ने दिया। इस कार्यशाला में महाविद्यालय के शिक्षक सहित अन्य महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों से कुल 289 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। उक्त कार्यशाला का लाइव प्रसारण कॉलेज के फेसबुक पेज और यूट्यूब चैनल पर भी हुआ।

भारत में ई–शिक्षा अभी शैशवावस्था में है – डॉ. अरविन्द कुशवाहा

09 जून 2020 को जूम एप्प के माध्यम से कम्प्यूटर विज्ञान विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सप्त–दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन के विषय 'यूज ऑफ टेक्नोलॉजी इन ई–लर्निंग' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में आई.एम.एस. इंजीनियरिंग कॉलेज गाजियाबाद के असिस्टेंट प्रोफेसर ,कंप्यूटर विज्ञान विभाग के डॉ अरविंद कुशवाहा थे।

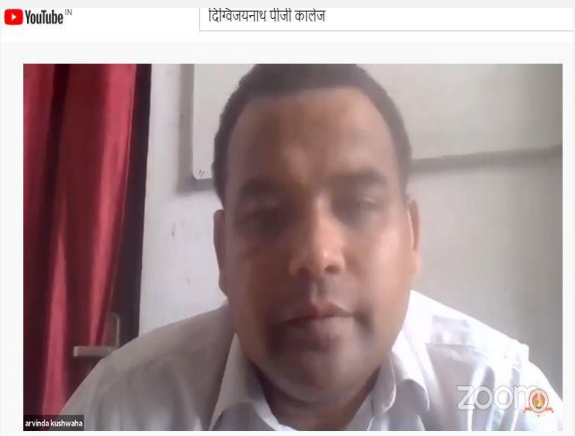

इस कार्यशाला में डॉ कुशवाहा जी ने कहा कि ई–शिक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा शैक्षणिक उपकरणों और संचार माध्यमों का उपयोग करते हुए शिक्षा प्रदान करने के लिये पहचाने जाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में से एक है। वस्तुतः अभी भारत में ई–शिक्षा अपने शैशवावस्था में है।

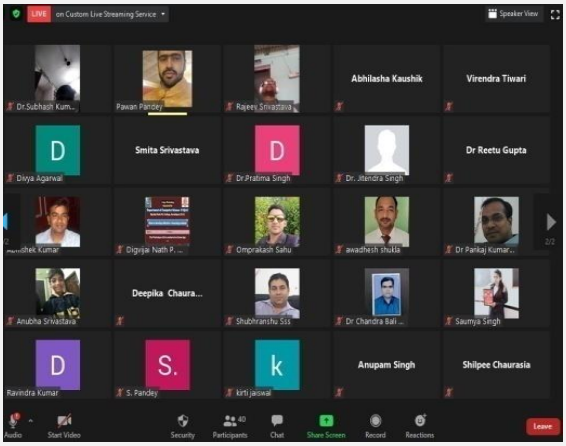

'ई–शिक्षा ज्ञान और कौशल के अंतरण की अधुनातन पद्धति है'

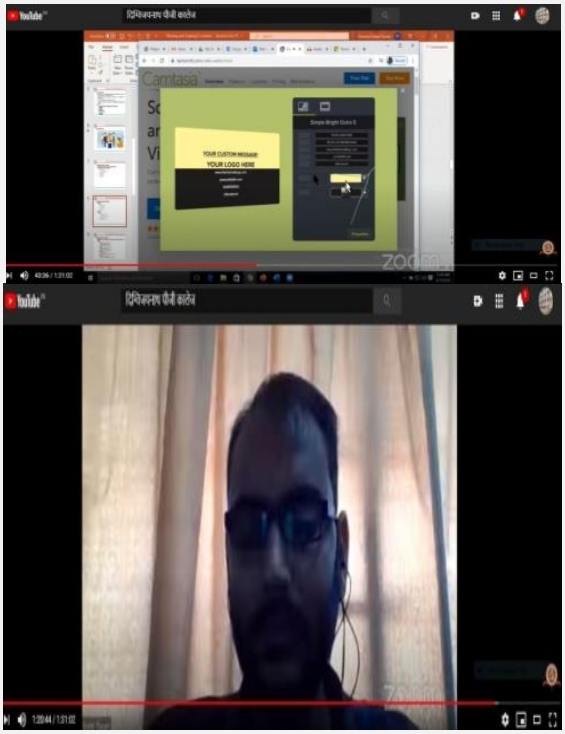

10 जून 2020 को सप्त–दिवसीय कार्यशाला के तीसरे दिन के विषय 'क्रिएटिंग एंड शेयरिंग ई–कंटेंट' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ रोहित कुमार तिवारी, असिस्टेंट प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, मदन मोहन मालवीय यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी गोरखपुर थे।

कार्यशाला में डॉ रोहित ने आगे बताया कि ई–लर्निंग इस वैश्विक महामारी में विद्यार्थियों व शिक्षकों के बीच के खाली स्थान को भरने में सहायक है और शिक्षण एवं अधिगम में महत्वपूर्ण सहयोगी भी है। कार्यशाला के तकनीकी सत्र में उंन्होने ई–कंटेंट तैयार करने की विधि बताई और किस प्रक्रार से हम ई–कंटेंट टूल्स – माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, माइक्रोसॉफ्ट पावर पॉइंट, ऑडियो सॉफ्टवेयर, वीडियो सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करते हुए एक प्रभावशाली ई–कंटेंट तैयार कर सकते हैं।

'मूडल डिजाइनिंग ऑनलाइन शिक्षण का एक बेहतर प्लेटफार्म'

11 जून 2020 को जूम एप्प के माध्यम से कम्प्यूटर विज्ञान विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सप्त–दिवसीय कार्यशाला के चौथे दिन का विषय 'डिजाइनिंग मूडल कोर्स' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ कमलेश कुमार सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, ए.एस.इ.टी, एमिटी यूनिविर्सिटी लखनऊ थे।

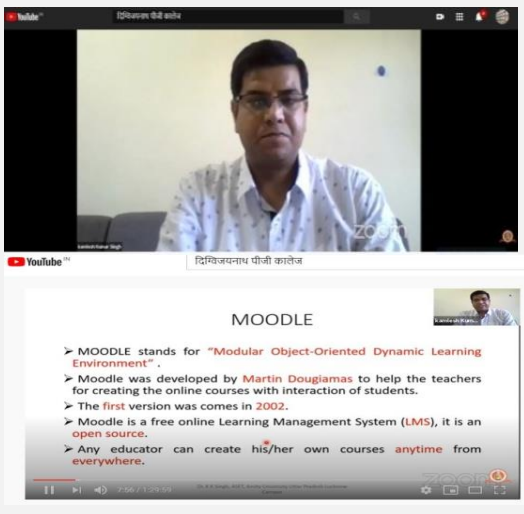

कार्यशाला में डॉ कमलेश ने आगे बोलते हुए कहा कि ऑनलाइन शिक्षण को प्रभावशाली बनाने के लिए मूडल डिजाइनिंग एक बेहतर प्लेटफार्म। ई–लर्निंग टूल के रूप में, मूडल में मानक और अभिनव विशेषताओं जैसे कैलेंडर और ग्रेडबुक की एक विस्तृत श्रृंखला है। मूडल एक प्रमुख आभासी सीखने का माहौल है और शिक्षा, प्रशिक्षण और विकास जैसे कई प्रकार के वातावरणों में और व्यवसाय सेटिंग में इसका उपयोग किया जा सकता है।

'ई–कंटेंट तैयार करने में ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर की महत्वपूर्ण भूमिका है'

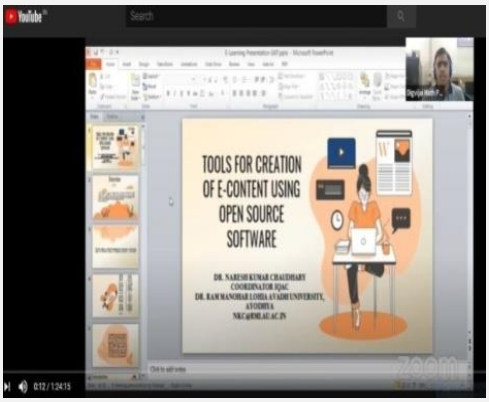

12 जून 2020 को जूम एप्प के माध्यम से कम्प्यूटर विज्ञान विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सप्त–दिवसीय कार्यशाला के पाँचवे दिन का विषय 'ई–कंटेंट जनरेशन यूजिंग ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर एन.के. चौधरी ,भौतिक विज्ञान एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ,डॉ राम मनोहर लोहिया अयोध्या विश्वविद्यालय अयोध्या थे। कार्यशाला में प्रोफेसर चौधरी जी बोलते हुए कहा कि जब कोई ओपेन सोर्स सॉफ्टवेयर पर काम करता है तब वह अपने बौद्धिक सम्पदा अधिकारों को बढ़ाता है और यह उस ओपेन सोर्स सॉफ्टवेयर की लाईसेंस की शर्तों के ऊपर निर्भर करता है।

'डिजिटल युग में ई–रिसोर्स सूचनाओं का भंडार'

13 जून 2020 को सप्त–दिवसीय कार्यशाला के छठवें दिन का विषय 'इम्पैक्ट ऑफ ई–लर्निंग एंड वर्चुअल क्लासरूम' विषय पर मुख्य वक्ता प्रोफेसर संतोष कुमार त्रिपाठी ,भौतिक विज्ञान विभाग, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी बिहार थे।

कार्यशाला में प्रोफेसर त्रिपाठी ने ई–रिसोर्सेज पर भी चर्चा की और इस डिजिटल युग में ई–रिसोर्स को सूचनाओं का भंडार बताते हुए कहा कि इन प्लेटफार्मों पर हमेशा नवीनतम सूचनाएं उपलब्ध रहती है। ओपन एक्सिस (ओए) रिसोर्स भी उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग लॉकडाउन के समय शोधार्थियों को करना चाहिए।

"आपदाएं चुनौती के साथ–साथ नए अवसर भी लेकर आती हैं"

14 जून 2020 को सप्त दिवसीय कार्यशाला के सातवें दिन समापन सत्र का विषय टिप्स ऑफ वैल्यू एडिशन एंड इफेक्टिव कम्युनिकेशन टू डेवेलोप ई.कंटेंट विषय पर मुख्य वक्ता प्रोफेसर हर्ष कुमार सिन्हा, रक्षाअध्ययन विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी, गोरखपुर थे।

प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कार्यशाला के मुख्य वक्ता सहित सभी प्रतिभागियो को धन्यवाद देते हुए आभार ज्ञापित किया।

'सतर्कता एवं जागरूकता ही कोरोना महामारी के संक्रमण से बचाव का प्रमुख अस्त्र'

20 जून 2020 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर ऑनलाइन साप्ताहिक योग प्रशिक्षण शिविर विशिष्ट व्याख्यान तथा शैक्षिक कार्यशाला के अवसर पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं महायोगी गोरखनाथ योग संस्थान गोरखनाथ मंदिर द्वारा आयोजित **ऑनलाइन सप्ताहिक योग प्रशिक्षण शिविर, विशिष्ट व्याख्यान तथा शैक्षिक कार्यशाला** को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थाध्यक्षों सहित 110 शिक्षकों को संबोधित करते हुए **उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर परमपूज्य महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज** ने कहा ने कहा कि सतर्कता और जागरूकता ही कोरोना महामारी के संक्रमण से बचाव का प्रमुख अस्त्र है। ऐसे में डिजिटल प्लेटफार्म और सुदृढ तकनीकि संसाधनों की महती आवश्यकता है। ऑनलाइन योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला का आयोजन करने के पीछे भी संक्रमण से सावधान रहते हुए जीवन को आगे बढाते रहने और समाज का उत्थान करते रहने का पवित्र उद्देश्य निहित है।

उन्होने कार्यशाला से जुड़े शिक्षकों से आह्वान करते हुए कहा कि कोरोना के चलते उत्पन्न हुए परिस्थितियों के अनुसार पठन–पाठन के लिए सुदृढ डिजिटल प्लेटफार्म तैयार कर सघन संवाद स्थापित करने की महती आवश्यकता है। आज की परिस्थिति में शिक्षण संस्थाओं के लिए जितना महत्व तकनीकि का है, उतना ही महत्व संवाद के माध्यम से ज्ञान के प्रसार का भी है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के समस्त सदस्यों से आग्रह है कि सभी लोग आरोग्य सेतु एप अनिवार्य रूप से डाउनलोड करें प्रत्येक व्यक्ति के जीवन सुरक्षा के लिए यह अनिवार्य क्रिया है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयुष कवच भी कोरोना संक्रमण से सजग रखने में अत्यंत उपयोगी है।

इस कार्यशाला में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सदस्य एवं दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र ने 'संस्थाओं की मूल्यांकन भूमिका प्रविधि' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। शैक्षिक कार्यशाला कार्यक्रमों की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति प्रोफेसर उदय प्रताप सिंह ने किया। साप्ताहिक शैक्षिक कार्यशाला में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के समस्त संस्थाध्यक्ष तथा उनके द्वारा नामित कुल 110 सदस्यों ने सहभागिता किया।

'ऋषि मुनियों द्वारा दी गयी संजीवनी है योग'

21 जून 2020 अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महाविद्यालय द्वारा योग प्रशिक्षण का आयोजन फेसबुक लाइव के माध्यम से हुआ। जिसमें प्रशिक्षु के रूप में डॉ संजय कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, एक्यूप्रेसर शोध ,प्रशिक्षण एवं उपचार संस्थान, प्रयागराज और श्री आदित्य जायसवाल, सदस्य डिस्ट्रिक्ट ताईकाण्डों एसोसिएशन गोरखपुर ने प्रातः 5.30 से 6.00 और 8.00 से 9.00 बजे तक आयुष मंत्रालय द्वारा निर्देशित योग और प्राणायाम की सारी विधा सिखाई। ये दोनों लोग कॉलेज के पुरातन छात्र भी हैं और कॉलेज के विभिन्न कार्यक्रमों में अपना सहयोग प्रदान करते हैं। डॉ अवधेश शुक्ल, असिस्टेंट प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा विभाग ने दोनों ही अतिथियों का स्वागत किया।

डॉ पवन कुमार पाण्डेय, प्रभारी कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने कार्यक्रम का संयोजन किया। प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने अतिथियों सहित महाविद्यालय सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को धन्यवाद देते हुए आभार ज्ञापित किया।

'कोविड–19 के साथ 'उत्तर जीविता' विषय पर त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय लाइव वेबिनार'

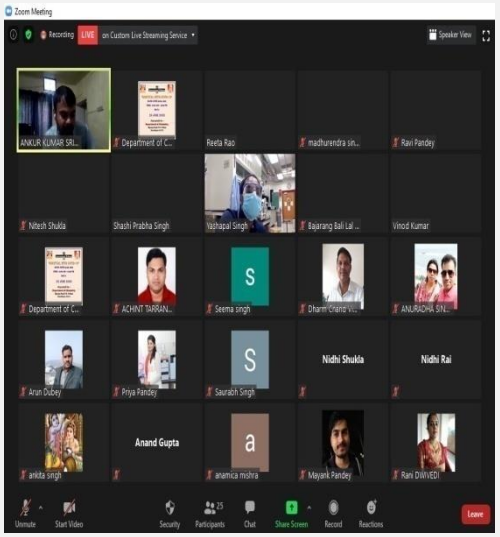

23 जून 2020 को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा कोविड–19 लाइव वेबिनार का आयोजन हुआ। वेबिनार के प्रथम दिवस का विषय वैश्विक महामारी कोविड–19 आज के 21वीं सदी में मानव स्वास्थय के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। इससे बचने एवं कारगर इलाज की खोज पूरे विश्व के लिये चुनौती बना हुआ है। वर्तमान समय में हमारे प्रतिरोधक क्षमता ही इसका कारगर उपाय है। प्रथम दिवस पर मुख्य वक्ता स्वीडन के कैरोलिन्सका इन्सिटयूट के माइक्रोबायोलोजी, ट्यूमर एवं सेल बायोलोजी विभाग के वैज्ञानिक डॉ.मधुरेन्द्र सिंह थे। वैक्सिन और मानव शरीर की प्रतिरोधक क्षमता है कोरोना वायरस की आधारभूत संरचना और इसका उपाय करना पूरे विश्व के लिए चुनौती है। यह बातें उपरोक्त बेविनार के ही द्वितीय विषय विशेषज्ञ ''अमेरिका के परड्यू विश्वविद्यालय के रसायनशास्त्र विभाग की बायोकेमिस्ट्री डिवीजन में कार्यरत वैज्ञानिक डॉ.मोहिनी कामरा थे।

इसी क्रम में उपरोक्त बेविनार के तीसरे अतिथि वक्ता लखनऊ स्थित भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान में कार्यरत डॉ.अंकुर कुमार श्रीवास्तव थे। इस अन्तर्राष्ट्रीय बेविनार में शिकागो, तंजानिया, नेपाल से भी लोगो ने प्रतिभाग किया। इस बेविनार की संयोजक डॉ.शशिप्रभा सिंह ने प्रस्ताविकी, स्वागत व संचालन किया। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.शैलेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया। बेविनार के अन्त में डॉ.प्रतिमा सिंह ने विशेषज्ञों, प्रतिभागियों और संस्था के प्रति आभार ज्ञापन किया।

'कोविड–19 वेबिनार–द्वितीय दिवस'

24 जून 2020 को महाविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ''कोविड–19 के साथ उत्तर जीविता'' विषय पर त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय बेविनार के दूसरे दिन मुख्य वक्ता डॉ. अभय कुमार जैन, उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान संस्कृति विभाग, लखनऊ के उपाध्यक्ष थे।

उपरोक्त वेबिनार में द्वितीय विषय विशेषज्ञ डॉ. सौरभ कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, रसायनशास्त्र विभाग, भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थान, हैदराबाद थे। इसी क्रम में उपरोक्त वेबिनार के तीसरे अतिथि वक्ता इण्डियन पेटेन्ट आफिस नई दिल्ली में कार्यरत पेटेन्ट अधिकारी श्री रविप्रकाश पाण्डेय थे।

इस अन्तर्राष्ट्रीय बेविनार में डेनमार्क, नेपाल, अमेरिका, स्वीडेन से विभिन्न प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

'कोविड–19 वेबिनार–तृतीय दिवस'

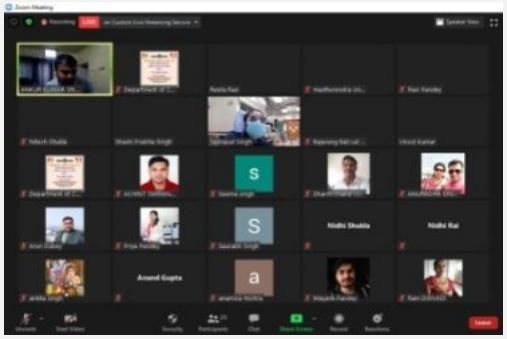

25 जून 2020 को महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार ''कोविड–19 के उत्तरजीविता'' के समापन सत्र के प्रथम व्याख्यान मुख्य वक्ता प्रो. दिनेश कुमार सिंह, सेवानिवृत्ति आचार्य, प्राणि विज्ञान विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर थे। वेबिनार में प्रो. शीला सिंह, सेवानिवृत्ति आचार्य, मनोविज्ञान विभाग, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय,गोरखपुर ने भी अपना विचार प्रस्तुत किया। इस अन्तर्राष्ट्रीय बेविनार में ताइवान, शिकागो, तंजानिया, इथोपिया, डेनमार्क, स्वीडेन, नेपाल से भी लोगो ने प्रतिभाग किया। समापन समारोह की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.शैलेन्द्र प्रताप सिंह किया।